एआई को अपने पक्ष में करने की जरूरत

एआई तेजी से हर क्षेत्र में फैल रहा है। इससे पहले कि वह हमारे जीवन से जुड़े पक्षों को आकार देना शुरू करे, अच्छा है कि हम उसे आकार देने का काम शुरू कर दें। अच्छी बात यह है कि हमारे पास इसे संसाधित करने के लिए तकनीक और बैंडविड्थ तक पहुँच भी है। बहुत से भारतीय सॉफ्टवेयर डेवलपर्स यहाँ और अमेरिका दोनों में फ्रंट-टियर एआई पर काम कर रहे हैं। थोड़ा प्रयास और करने की जरूरत है।

कुछ बिंदु -

- अन्य तकनीकों की तरह, एआई तकनीक की लागत भी घट रही है। एक बिंदु पर भारतीय उद्यमी इसकी छोटी-मोटी बाधाओं को पार कर सकते हैं।
- बाजार में इस तकनीक से जुड़े छोटे मॉडल उपलब्ध हैं। देश में इतनी कंप्यूटिंग क्षमता है कि इसका प्रसार किया जा सके।
- भारत में इसे अभी व्यापारिक दृष्टि से उपयोग में लाने के तरीके ढूंढने पर काम करना है।
- फिलहाल, उद्यमिता के स्तर तक ही एआई का उपयोग हो रहा है। बड़े स्तर पर इसे तभी अपनाया जा सकेगा, जब उत्पाद या सेवा क्षेत्र में इसके परिणाम दिखाई देने लगेंगे।
- एआई की मांग पैदा करने और इससे जुड़े बुनियादी ढांचे को बनाने में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।
- साथ ही, इसके विनियमन को आसान बनाने की जरूरत है, ताकि वाणिज्यिक स्तर पर इसके प्रयोग को बढ़ाया जा सके।

एआई का प्रसार और दिशा बहुत कुछ सरकार पर निर्भर करती है। सरकारी प्रशासन के कामों में इसका उपयोग बढ़ाकर इसके स्थानीय मॉडलों को बड़ा किया जा सकता है।

'द इकॉनॉमिक टाइम्स' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 7 फरवरी, 2025